All the above measures are likely to be completed progressively by March, 1996.

In the case of VSP, ail the necessary-measures have already been taken.

Mining projects in Visakhapatnam

2951. SHRI T. VENKATRAM REDDY:

SHRI G. PRATHAPA REDDY:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the National Mining Development Corporation (NMDC) has recently signed a Memorandum of Understanding with the Indian Rare Earth and the Andhra Pradesh Mineral Development Corporation to form a joint venture company for undertaking and executing a new; mining project near Vizag in Andhra Pradesh; and

(b) *it* so, the details of the projects to be executed indicating inter alia the capital outlay, involved equity share of the participating companies, the works to be executed and period of completion?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) The National Mineral Development Corporation Limited (NMDC) has signed a Memorandum of Understanding (MOU) with the Indian Rare Earths Ltd. (IREL) and the Andhra Pradesh Mineral Development Corporation (APMDC) to form a joint venture company for taking up exploitation of the Beadh Sand Deposit near Visakhapatnam in Andhra Pradesh through establishment of a Sand Processing Unit for separation of the constituent minerals and further to set up downstream industries based on the minerals derived. Details of projects to be executed by the proposed joint venture company, estimated cost and period of completion, etc. would be known only on availablity of the Techno-economic Feasibility Report and equity participation decided thereafter.

Supply of Raits by Bhilai Steel Plant

2952. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the Bhilai Steel Plant has been unable to supply quality rails to the Railways;

(b) if so, the quantity ordered by the Railways in each of the preceding three years and to what extent the supplies lagged behind, with reasons;

(c) the steps taken to augment the supplies; and

(d) whether the Railways have threatened to import the rails and the effect thereof on the Steel Plant?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a} Bhilai Steel Plant is supplying quality rails to the Railways as per the commitment.

(b) The commitment for the supply of rails to Railways and the actual quantity despatched during each of the last 3 years is as under:—

	Commitment (Tonnes)	Actual Supply (Tonnes)	Fulfilment (%)
1991-92	355000	358596	101.0
1992-93	360000	354591	98.5
1993-94	405000	412874	101.9
TOTAL:	1120000	1126061	100.5

(.c) Bhilai Steel Plant is already supplying rails to Railways as per the commitment,

(d) No, Sir. However, it is understood that the Railways have been exploring the possibilty of importing Head Hardened Rails. These rails are not being produced by BSP at present ftnt BSP is in the process of developing UTS-100 Rails which will be an indigenous substitute for the Head Hardened Rails that Railways propose to import. Trial runs of these UTS-100 Rails are likely to fee conducted by the Railways shortly.

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण

2953. श्री जनार्दन यादव : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण के लिए कितनी धनराशि दी गई है ;

(ख) आधुनिकीकरण का कार्य कब तक पूरा होना था;

(ग) क्या यह कार्य पूरा हो गया है, और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : : (क) "सेल" के दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण के लिए सरकार द्वारा 20-2-1989 को 2667.6 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई थी। परियोजना की अनुमानित लागत 4563 17 करोड़ रुपए (1994 की चौथी तिमाही के मूल्य) है।

(ख) और (ग) आधुनिकीकरण परियोजना को 16 टर्नकी पैकेजों के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है । इनमें से 9 पैकेज पूरे/चालू हो गए हैं, 4 पैकेज आंशिक रूप से पूरे हो गए हैं और शेष पैकेज अक्तूबर, 1995 तक उत्तरोत्तर रूप से परे कर लिए जाएंगे जबकि पूरा होने की अनुमोदित समय-सूची मार्च, 1993 है।

(घ) आधुनिकीकरण परियोजना को कार्यान्वित करने में मार्च, 93 में पूरा करने की समय-सूची के बाद विलम्ब निम्नलिखित मुख्य कारणों की वजह से हुआ :—

(1) संरचनात्मक और उपस्करों की सप्लाई में विलम्ब।

(2) कार्य की मात्रा में वृद्धि विशेष रूप से धमन भट्टी और सिन्टर संयंत्र पैकेजों के सिविल और संरचनात्मक कार्यों में ।

(3) कार्य-स्थल के लिए संसाधनों की अपर्याप्त रूट से जुटाना ।

(4) परियोजना के निष्पादन में तत्कालीन सोवियत संघ में अप्रत्याशित परिस्थितियां जिससे कामनवैल्थ आफ इण्डिपेन्डेन्ट स्टेट्स (सी आई एस) देशों से आयातित सप्लाई में व्यवधान हुआ।

स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा सिकन्दराबाद की एक क्लॉक निर्माण इकाई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

2954. श्री जनार्दन यादव : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड ने सिकंदराबाद की एक दक्षिण भारतीय साइकिल और क्लॉक निर्माण इकाई के साथ कोई समझौता किया था;

(ख) क्या यह समझौता कॉयल शीट, बार, राड, संरचना और प्लेट के लिए था;

(ग) इस समझौते में कुल कितनी धनराशि लगी हुई है;

(घ) इस समझौते को किस आधार पर रद्द किया गया; और